Downloaded from www.studiestoday.com

5 मिट्टी की महिमा

(कविता)

Vocabulary समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE

शब्द-ज्ञान

1. दिए गए संयुक्त व्यंजन से तीन-तीन शब्द बनाकर लिखिए–

(क) ट् + ट = ...

(ख) द् + य = ...

(ग) त् + स = ...

(घ) प् + य = ...

2. निरर्थक शब्दों से सार्थक शब्द बनाइए–

होनीअन = ...

टीट्मि = ...

लसफ़ = ...

श्छलनि = ...

तीस्ह = ...

र्वउर = ...

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Grammar समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
व्याकरण

1. शब्दों के पर्याय बॉक्स में से चुनकर लिखिए–

सूरज – ....

चंद्रमा – ....

हवा – ....

धरती – ....

जल – ....

आकाश – ....

2. निम्नलिखित शब्दों के वर्ण-विच्छेद कीजिए–

(क) छूमंतर – .....

(ख) निष्पाप – .....

(ग) निश्छल – .....

(घ) सद्भावपूर्ण – .....

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उर्वर – .....

.....

वैभव – .....

.....

रजनी – .....

.....

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Writing Tasks समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

1. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) पानी बरसने से मिट्टी क्या हो जाती है?

.....

(ख) मिट्टी क्या है?

.....

2. दीर्घ उत्तर लिखिए–

(क) इस कविता में क्या संदेश दिया गया है? अपने शब्दों में लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(ख) इस कविता का मूलभाव अपने शब्दों में लिखिए।

.....

.....

.....

.....

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

निर्मम कुम्हार की थापी से, कितने रूपों में कुटी-पिटी
हर बार बिखेरी गई किंतु, माटी फिर भी तो नहीं मिटी।
आशा में निश्छल पल जाए, छलना में पड़कर छल जाए,
सूरज दमके तो तप जाए, रजनी ठुमके तो ढल जाए।
यों तो बच्चों की गुड़िया-सी भोली मिट्टी की हस्ती क्या,
आँधी आए तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए।

.....

.....

.....

.....

.....

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Writing Tasks फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

'मिट्टी हमें अनेक रूपों से सीख देती है।' इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए–

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Comprehension Passage

लेखांश-बोध फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

आदर्श विद्यार्थी का कर्तव्य है कि वह अपने रहन-सहन का स्तर साधारण रखे। उसे न तो फ़ैशन की ओर ध्यान देना चाहिए और न ही शरीर की सजावट में लगा रहना चाहिए। क्योंकि ये बातें विद्यार्थी जीवन को नष्ट कर देती हैं। विद्यार्थियों को उच्च विचार रखने चाहिए, जिससे उसका मन पवित्र हो। शरीर पूर्णत: स्वस्थ रहेगा, तब संसार का कोई ऐसा कार्य नहीं रहेगा, जिसे वह न कर सके। आदर्श विद्यार्थी के लिए यह परम आवश्यक है कि वह विद्यालय के प्रत्येक कार्य में भाग ले। इससे उसमें आगे बढ़ने की प्रेरणा और निर्भीकता आती है।

1. उचित विलोम शब्द में सही (✓) का निशान लगाइए–

स्वस्थ – निरोग ○ अस्वस्थ ○

आवश्यक – अनावश्यक ○ निरोगी ○

2. समान अर्थ लिखिए–

विद्यार्थी – ..... संसार – .....

जीवन – ..... पवित्र – .....

3. वर्ण संधि कीजिए–

व् + इ + द् + य् + आ + र् + थ + ई= .....

स् + व् + अ + स् + थ् + अ = ...

4. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) विद्यार्थी जीवन को कौन-सी बातें नष्ट कर देती हैं?

.....

(ख) आदर्श विद्यार्थी के लिए विद्यालय के प्रत्येक कार्य में भाग लेना क्यों आवश्यक है?

.....

Downloaded from www.studiestoday.com